प्रदीप त्रिपाठी

उमरिया - D.R.G.

प्रशिक्षण - डायरी

"निष्ठा"

NISHTHA

National Initiative for School Heads' and Teachers' Holistic Advancement

कोर्स- 10

सामाजिक विज्ञान का शिक्षा-शास्त्र

▲ **उद्देश्य →**

- उच्च प्राथमिक स्तर पर इतिहास, भूगोल, सामाजिक और राजनीतिक जीवन में पेश किये गये मुख्य विषयों का वर्णन
- विभिन्न अवधारणाओं को समझने के लिए सामाजिक विज्ञान में गतिविधियां बनाना।
- ग्लोब का उपयोग करते हुये अक्षांशो एवं देशांतरों को प्रदर्शित करना
- अतीत की घटनाओं को समझने के लिए कई स्रोतो को जानना
- विभिन्न व्यवसाओं को समझने के लिए चित्र व बच्चों के चित्र बनाने के कौशल का उपयोग।
- मॉक संसद का संचालन करना।
- सीखने के प्रतिफल को जानना।

LIMITED EDITION

सामग्री की रूपरेखा →

- उच्च प्राथमिक स्तर पर सीखने के उद्देश्य
- सीखने के प्रतिफल व सीखने सिखाने की प्रस्तावित प्रक्रियाएं
- भूगोल का संक्षिप्त परिचय
- इतिहास का संक्षिप्त परिचय
- सामाजिक व राजनीतिक जीवन का संक्षिप्त परिचय

सामाजिक विज्ञान - एक अवलोकन →

सामा० विज्ञान एक अहम् पाठ्यक्रम है, यह अन्य बिषयो से जुड़ा है जैसे - इतिहास, भूगोल, राजनैतिक शास्त्र, एंव अर्थशास्त्र।

सामा० विज्ञान पढ़ाते समय यह ध्यान में रखें कि बच्चो की रुचि जागृत हो इसे पढ़ने व सीखने में। अर्थात् बाल केंद्रित शिक्षण कार्य कराना उचित होगा सामा० विज्ञान में कुछ विधियां है जिससे बालकेंद्रित शिक्षा को बढ़ावा दिया जा सकता है जैसे - ① प्रश्नो के द्वारा भागीदारी ② समूह में चर्चा ③ Quiz द्वारा

सामाजिक विज्ञान बच्चो में मानवीय गुण विकसित करता है यह संवेदनशीलता बढ़ाता है

LIMITED EDITION

सामाजिक विज्ञान के कुछ उद्देश्य है, जिन्हे जानना बहुत जरूरी है।

- बिषय की प्रासंगिकता को समझना।
- बिषय वस्तु का वर्गीकरण करना।
- किसी घटना के कारण व परिणाम को तथ्यो से एकत्र करके समझना।
- विविधता में एकता को समझना।
- प्राकृतिक व सामाजिक घटनाओ को को समझना।
- वैश्वीकरण से परिचित करना।
- सामाजिक व मानवीय आपदाओ को दूर करने के तरीके विकसित करना

▲ पाठ्यचर्या संबंधी अपेक्षाएँ →

सामा० विज्ञान बिषय के शिक्षण से अपेक्षित है कि बच्चे विभिन्न क्षेत्रो व संस्कृतियों में रहने वाले लोंगो और उनकी सामाजिक रीतियो से परिचित हो सकें तथा बच्चो में करुणा, विश्वास, समानुभूति शांति, सहयोग, सामाजिक न्याय व पर्यावरण संरक्षण जैसे मुद्दो पर संवेदना जागृत हो सके। यह भाव उन्हे उनके परिवार, उनके सामाजिक वातावरण

LIMITED EDITION

के विभिन्न भौगोलिक, ऐतिहासिक, सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक कारकों के साथ अंतः क्रिया द्वारा विकसित होता है।

भूगोल क्या है ? →

भूगोल सामाजिक विज्ञान के ही विषय में शामिल है, भूगोल विषय प्राकृतिक व सामाजिक विज्ञान को जोड़ने का काम करता है।

इस माड्यूल में हम भूगोल के अन्तर्गत पृथ्वी, पृथ्वी का मॉडल (ग्लोब) के बारे में जानेंगे तथा उत्तरी ध्रुव, दक्षिणी ध्रुव, अक्षांश व देशान्तर रेखाओं के बारे में बच्चों की समझ बढ़ाने की रणनीतियों के बारे में विस्तार से जानेंगे।

ग्लोब व मानचित्र पर अक्षांश और देशांतर को दिखाना →

हमें बच्चों को पृथ्वी का मॉडल रूप ग्लोब दिखाते हुये यह बताना है कि अक्षांश व देशांतर रेखाएं काल्पनिक होती हैं तथा इनके द्वारा पृथ्वी के किसी भी भाग की स्थिति / Location को जाना जा सकता है। हमें बच्चों को स्वयं ग्लोब को देखने / परखने का अवसर देना चाहिए। बच्चों से पूछा जा सकता है कि आप ग्लोब में क्या देख रहे हैं, ग्लोब में कितनी तरह की रेखाएं हैं, कुछ रेखाएं उत्तर से दक्षिण तथा कुछ रेखाएं पूर्व से पश्चिम की ओर गई हैं ढूंढकर बतायें।

LIMITED EDITION

ग्लोब में एक रेखा होती है जो पूर्व से पश्चिम की तरफ जाती है तथा ग्लोब को दो बराबर भागो में बांटती है जिसे विषुवत रेखा कहते हैं। दो भागो में बाटने पर ऊपरी भाग उत्तरी गोलार्द्ध तथा निचला भाग दक्षिणी गोलार्द्ध कहलाता है।

ग्लोब में विषुवत रेखा तथा उत्तर से दक्षिण दिशा से आई रेखा एक दूसरे को कई जगहो पर काटती है इनमे से कौन सी रेखा है जो पश्चिम से पूर्व व उत्तर से दक्षिण एक दूसरे को काटी है और वहां पर 0' लिखा है। उस 0' डिग्री के दाये - बाये तरफ देखकर 15' डिग्री तक देखें। किसी रस्सी या टेप की मदद से मध्य रेखा को मापने को कहें, ऐसा करके रुचि पूर्ण शैक्षिक वातावरण का निर्माण किया जा सकता है।

ग्लोब से संबंधित गतिविधियाँ →

ग्लोब के द्वारा बच्चे अक्षांश, देशांतर रेखा, इनके बीच अंतर, उत्तरी ध्रुव, दक्षिणी ध्रुव, भूमध्य रेखा, कर्क रेखा, मकर रेखा, प्रधान याम्योत्तर (0 डिग्री देशांतर), स्थान की स्थिति, अक्षांश व देशांत रेखा से किसी स्थान की स्थिति का पता लगाया जा सकता है।

LIMITED EDITION

ग्लोब पृथ्वी का एक मॉडल है जिसे दिखाकर हम बच्चो में पृथ्वी के बारे में एक समझ को विकसित करा सकते हैं, इसमें हम बच्चोंसे छोटे-2 प्रश्न पूछ सकते हैं जैसे कि पृथ्वी रंग व आकार के बारे में पूछकर। फिर बच्चो के कुछ समूह बनाकर ग्लोब को छूने, महसूस करने तथा विभिन्न स्थानो, रेखाओ, रंगो पर चिंतन को प्रेरित करवायें। तथा अनुभव सांझा करवायें।

गतिविधि 1:-

① स्कूल भुवन NCERT जियो पोर्टल का पता करें इसके लिए उस लिंक पर जायें-

http://bhuvan-appl.nrsc.gov.in/mhrd-ncert/

②. स्कूल भुवन NCERT का use करते हुये उपग्रह इमेजरी पर स्थानों की पहचान की गतिविधि तैयार करें।

③ स्कूल भुवन Ncert पोर्टल गलत धारणा को स्पष्ट करने या समझाने में भौतिक ग्लोब / नक्शे से बेहतर कैसे मदद कर सकता है, इस पर चिंतन करें।

④. छात्रो द्वारा उनके घर में सीखने की स्थिति में इस गतिविधि को करने के लिए एक योजना बनाएं और वर्णन करें।

LIMITED EDITION

अपनी समझ जांचे →

दिये गये लिंक पर क्लिक करें तथा स्वयं प्रयास करें।

http://econtent.ncert.org.in/wp-admin/admin-ajax.php?action=h5p-embed&id=1417

इतिहास क्या है ? →

इतिहास को हम तथ्यो के आधार पर जानते हैं। तथ्य दो प्रकार के होते हैं - प्राथमिक एंव द्वितीय।

प्राथमिक तथ्य उस समय से जुड़ा होता है जिसे हम सिक्के से बताते हैं जिसे Numismtics (नुमिस्मैटिक्स) कहते हैं। इन सिक्को से उस समय की अर्थव्यवस्था के बारे में पता चलता है, राजनैतिक स्थिति और व्यापार का पता चलता है।

द्वितीय तथ्य हमारा साहित्य है। साहित्य भिन्न-2 प्रकार का होता है क्योकि ये लेखक की अपनी सोंच पर लिखा होता है।
साहित्य कई प्रकार का होता है कुछ समाज से, कुछ साहित्य से, कुछ राजनैतिक व्यवस्था से जुड़ा होता है। साहित्य को हम लिटरेरी अकाउन्ट या ट्रेवल अकाउन्ट कह सकते हैं।

LIMITED EDITION

ट्रवल अकाउन्ट वो साहित्य होते हैं जो किसी भी विदेशी के भारतवर्ष मे आगमन पर लिखे जाते हैं, आपने Fa - Hien - Huein Tsang, Bomeis, Trevenier ट्रवल अकाउन्ट पढ़ा होगा शायद।
इनके अलावा पुरातत्व से जुड़ी इमारते भी उस समय के बारे में बताती हैं।

▲ स्त्रोत प्रदर्शन →

इतिहास को बच्चो के लिए रुचिकर विषय बनाया जा सकता है। इसके लिए आप बच्चो को स्टाम्प दिखाइए जैसे कि गांधी जी के स्टाम्प तथा अन्य भी। इन्हे डाकघर से एकत्र किया जा सकता है।
इतिहास को अच्छी तरह जानने के लिए ये स्टाम्प स्त्रोत का काम करते हैं हम अलग - 2 स्टाम्प जैसे - स्वतंत्रता सेनानियो के स्टाम्प इकट्ठा करवा सकते हैं।

इतिहास का एक और अच्छा स्त्रोत है - अखबार। जैसे - टाइम्स ऑफ इंडिया। इतिहास का तीसरा स्त्रोत है - इमारतें। इमारतो का भ्रमण कराने तथा उन पर चर्चा करने से इतिहास मे घटी घटनाओ पहले की बोली, वेशभूषा का पता चलता है। इतिहास को जानने समझने के कुछ और भी स्त्रोत हैं जैसे कि - रेडियो, पुरातत्व संग्रहालय, मैगजीन, शिक्षक द्वारा शिक्षण सामग्री, इतिहास की घटनाओ की वीडियो तथा हमारे नाना नानी, दादा दादी से सुनी कहानियां।

LIMITED EDITION

▲ **गतिविधि 3 →** इतिहास में किसी विशेष समय की समग्र समझ विकसित करने के लिए आप किन स्रोतो का संकलन करेंगे, अपने विचार निम्न लिंक पर जाकर सांझा करें।

http://bit.ly/mpn-10-3

▲ **पांडुलिपियाँ →** इस भाग में एक गतिविधि दी गई है जिसमें हमें लेखको और उनकी रचनाओ को छांटना है, ऐसी गतिविधि हम शाला स्तर पर बच्चो से भी करा सकते हैं। →

धातुओ की खोज होने पर साहित्य धातुओ पर लिखा जाने लगा। फिर कागज पर।

लेखक	रचनाएं
• इलांगो अडिगाल	सिलप्पादिकारम,
चंदबरदाई	पृथ्वीराज चरित
बिल्हण	विक्रमादित्य
	गार्गी,

▲ **मुद्राशास्त्र →** हो सके तो बच्चो को पुराने सिक्के व वर्तमान सिक्के दिखाएं तथा चर्चा करें

- सिक्के में क्या लिखा है, • प्रतीक क्या है?
- किन दृश्यो को दिखाया गया है • धातु कौन सी है
- स्मारक सिक्के क्या हैं? • किन-2 लोगो पर स्मारक सिक्के जारी किये गये।

LIMITED EDITION

सामा० एवं राजनीतिक विज्ञान क्या है ? →

सामाजिक एंव राजनीतिक विज्ञान, सामाजिक विज्ञान का एक महत्वपूर्ण विषय है।
NCF 2005 के अनुसार नागरिक शास्त्र एक खास औपनिवेशक अतीत से जन्मा एक विषय है और इसलिए इसे बदलना जरूरी था। नागरिक शास्त्र केवल सरकारी संस्थाओ व कार्यक्रमों के विवरण देने पर ही केन्द्रित था। इस विषय में आलोचनात्म दृष्टिकोण समाहित कर के लिखा जाना था मगर फिर सामाजिक एंव राजनीतिक जीवन उभर कर आया। इस विषय में सामा०, राजनीतिक व आर्थिक जीवन के कई पहलुओं को शामिल किया गया है।

आइए अब आजीविका को जानते हैं। बच्चे जैसे-2 बड़े होते जाते हैं वे अपने घर परिवार के लोगो तथा पडोसियो के कार्य व्यवसाय को जानने समझने लगते हैं। आजीविका को 2 अध्यायो में पढ़ते हैं-
① ग्रामीण ② शहरी।
इन अध्यायो से मजदूरी क्या है, उद्योग क्या है कृषि, सेवा क्या है, की समझ बढ़ेगी। साथ ही इन सेवाओ की प्रकृति व चुनौतियो का भी बोध होगा। यह इकाई अर्थशास्त्र विषय की एक अनिवार्य भूमिका भी है।

आजीविका → आजीविका को पढ़ाने के लिए यहां पर मुख्यतः तीन गतिविधियां बताई गई है। → ① कार्टून व चलचित्र ② अवलोकन ③. प्रश्न के साथ सर्वेक्षण

पहली गतिविधि बच्चो के अनुसार है इसमें कार्टून व चलचित्र का सहारा लेकर विभिन्न व्यवसायो पर बात की जाती है।

दूसरी गतिविधि में बच्चो को सूक्ष्म गृहकार्य करने को दिया जाये जिसमें बच्चे अपने आस पड़ोस के किसी व्यवसाय को देखकर समझकर चित्र के माध्यम से प्रदर्शित करेगा, रंग भरेगा फिर बने चित्रो को कक्षा में सजाया जाये (लगाया जाये)

तीसरी गतिविधि में लघु प्रश्न दिये जाकर सर्वेक्षण करने को दें जैसे आपका व्यवसाय क्या है, आपकी शैक्षणिक योग्यता क्या है, कार्य की समयावधि क्या है। यह सभी प्रश्नो के हल (जवाब) बच्चे अपने माता-पिता, अडोस-पडोस से पूछकर प्राप्त करेंगे फिर उनसे चर्चा की जा सकती है कि सभी का वेतन कम ज्यादा क्यो है, लोग सरकारी नौकरी क्यो करते हैं जबकि प्राइवेट क्षेत्र मे ज्यादा पैसा मिलता है। ऐसे अनेक प्रश्नो के हल जाने जा सकते हैं।

LIMITED EDITION

मॉक संसद →

सामाजिक और राजनीतिक विज्ञान छात्रों को स्थानीय पंचायत से आरंभ कर भारत की राजनीतिक व्यवस्था से परिचित कराता है।
मॉक संसद का संचालन शाला / कक्षा के स्तर पर करवाकर हम राजनीतिक व्यवस्था का अनुभव करा सकते हैं।

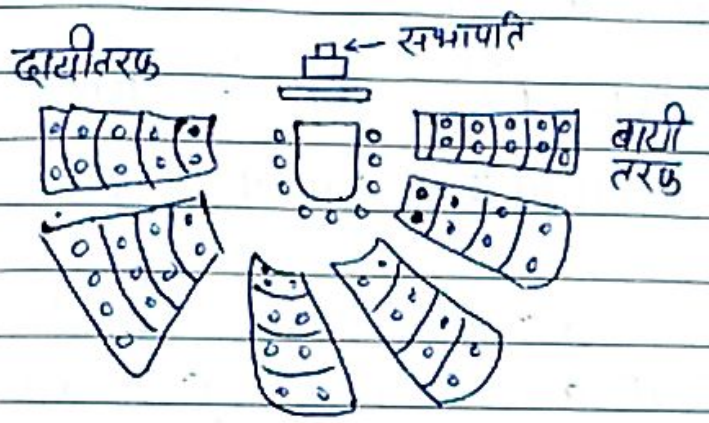

उपरोक्त बैठक व्यवस्था में कौन सा दल कहां पर बैठता है - हम जानेंगे →

- सभापति (स्पीकर) के दायी तरफ - सत्तारूढ़ दल
- बायी तरफ - विपक्षी दल समूह
- मुख्य नेताओं के लिए सबसे आगे की पंक्तियों में बैठने की सीटें (संख्या बल के अनुसार)
- बायी ओर पहली पंक्ति में पहली सीट - उपसभापति

मॉक संसद का मंचन अक्सर सामा० विज्ञान को सीखने में मदद करता है। बच्चे सांसद व विधायक की भूमिका निभा सकते हैं। इस संसद में बच्चों को भाषण बोलने तैयार करने का काम दिया जा सकता है।

LIMITED EDITION

बच्चे मॉक संसद में तत्कालिक समस्या पर विचार विमर्श कर सकते हैं। उसके तरीके खोज सकते हैं। राय व्यक्त कर सकते हैं तथा निर्णय भी ले सकते हैं।

- मॉक संसद विधानसभाओं / संसद की कार्यवाहियों की एक नकल है।

भारतीय संसद ब्रिटेन की वेस्टमिंस्टर संसदीय प्रणाली पर आधारित है।

- लोकसभा ⇒ लोकसभा हॉल में 550 सदस्यो के बैठने की व्यवस्था है। सीटो को 6 ब्लॉको में रखा गया है जिनमें से प्रत्येक में 11 पंक्ति है। अध्यक्ष की कुर्सी के दाई ओर ब्लॉक नं. 1 और बायी ओर ब्लॉक नं. 6 है। इन दोनो ब्लाकों में 97 सीटें हैं। शेष 4 ब्लाको में, प्रत्येक में 89 सीटें हैं।

लोकसभा को संसद का निचला सदन भी कहा जाता है। आम चुनाव के बाद लोकसभा का गठन होता है जो 5 वर्षो तक काम करता है या कि राष्ट्रपति द्वारा मंत्रिपरिषद की सलाह पर भंग भी किया जा सकता है।

LIMITED EDITION

- अध्यक्ष ⇒ भारत में लोकसभा का पीठासीन अधिकारी होता है।

- लोकसभा का नेता ⇒ भारतीय संसद के निचले सदन का नेता प्रधानमंत्री होता है। यदि प्रधानमंत्री संसद के निचले सदन का सदस्य नहीं है तो वह किसी अन्य मंत्री को सदन के नेता के रूप में नियुक्त कर सकता है।

- विपक्ष का नेता ⇒ वह नेता जो संसद के किसी भी सदन में आधिकारिक विरोधियों का नेतृत्व करता है। यह दर्जा तब मिलता है जब उसकी पार्टी कम से कम 55 सीटें (10%) प्राप्त किया हो।

- प्रश्नकाल ⇒ लोकसभा के प्रत्येक दिन का पहला सत्र जिसका एक घंटा प्रश्न काल होता है।

- शून्य काल ⇒ प्रश्न काल के तुरन्त बाद का समय शून्य काल होता है। यह 12 बजे से शुरू होता है। इस दौरान अध्यक्ष को पूर्व सूचित कर सदस्यगण अपने मुख्य मुद्दे उठा सकते हैं।

पोर्टफोलियो → सामाजिक विज्ञान में हम गतिविधि आधारित शिक्षण कार्य करा सकते हैं जिसमें सभी बच्चो की सक्रिय सहभागिता होनी चाहिए सामा० विज्ञान के शिक्षण की रूप-रेखा निम्न बिंदुओं पर बनायें।-

- विषय
- अध्याय
- कक्षा
- अवधारणा
- सीखने के प्रतिफल
- मुख्य विचार / थीम
- पूर्व ज्ञान
- मूल्यांकन हेतु योजना (रूब्रिक्स द्वारा)

इस गतिविधि से हमे निम्न पर विचार करने का अवसर मिलेगा -

- सवाल उठाना
- अवधारणाओं की व्याख्या करना
- विषय को जीवन से जोड़ना
- रचनात्मक रूप से प्रदर्शन
- प्रश्नो के उत्तर देने मे समय प्रबंधन
- प्रोजेक्ट तैयार करना
- मानचित्रो पर स्थानो का पता करना
- क्षेत्र भ्रमण के बाद डायरी लिखना
- मॉडल और चार्ट बनाना

LIMITED EDITION